नई विद्युत परियोजनाओं की स्थापना

914. **श्री दिग्विजय सिंह** :

श्री अनंतराम जायसवाल :

क्या विद्युत मंत्री दिनांक 23.5.95 को राज्य सभा मे अतारांकित प्रश्न संख्या 7007 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वीकृति प्राप्त विद्युत परियोजनाएं किन-किन राज्यों में स्थापित की जाएंगी तथा कौन-कौन सी कम्पनियां इन परियोजनाओं में सहभागिता कर रही हैं;

(ख)उपर्युक्त में से कितनी परियोजनाओं में काम शुरू हो गया हैं तथा इन परियोजनाओं के कब तक पूरे होने की सम्भावना है; और

(ग) भारत में स्थापित होने वाली विद्युत परियोजनाओं में जिनमें निजी क्षेत्र की विदेशी एवं स्वदेशी कम्पनियां शामिल हैं। सरकार की भूमिका/स्थिति क्या होगी तथा इससे देश को विद्युत के क्षेत्र में क्या-क्या लाभ मिलेगा और कब तक मिलेगा?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला बेन पटेल): (क) और (ख) राज्य सभा में 23.5.95 को आतारांकित प्रश्न संख्या 7007 के दिए गए उत्तर में जिन 11 परियोजनाओं का उल्लेख किया गया हैं और जिनको केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण सी.ई.ए. (द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृति प्रदान कर दी गई हैं, निजी षेत्र की छः (6) विद्युत परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नवत हैं:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम/क्षमता (मेगावाट)	स्वरूप	राज्य	कंपनी का नाम
1.	बास्पा चरण-2 (3x100)	जल विद्युत	हि.प्र.	जयप्रकाश इण्डस्ट्रीज लि.
2.	वल्लभगढ़ ता. वि. केन्द्र (2x250)	ता.वि.	पं. बं.	बल्लभगढ़ पावर कंपनी लि.
3.	दभोल सी सी टी ता.वि. केन्द्र चरण-1 (695)	ता. वि.	महाराष्ट्र	एनरॉन डेवलपमेंट कारप.
4.	भद्रावती ता.वि. केन्द्र (2x536)	ताप विद्युत	महाराष्ट्र	इस्पात एलॉयज लि.
5.	नैवेली ता.वि. केन्द्र (1x250)	ताप विद्युत	तमिलनाडु	एसटी पावर सिस्टम्स इन्क. यू.एस.ए.
6.	इब घाटी ता.वि. केन्द्र (2x210)	ताप विद्युत	उड़ीसा	ए.ई.एस. कारपोरेशन, यू.एस.ए.

स्थिति प्राप्त की हैं और निर्माण कार्य आरम्भ हो गया हैं। तथापि, हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने इस परियोजना के कार्य को रोकने का निर्णय लिया हैं

(ग) भारत सरकार ने देश में ऊर्जा की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति किए जाने के लिए संसाधन जुटाए जाने और सार्वजानिक क्षेत्र के प्रयासों को मद्देनजर रखते हुए भारत मे विद्युत क्षेत्र में स्वदेशी एवं विदेशी, दोनों प्रकार की निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए अनुमति प्रदान की हैं।

Navigational facilities at airports

915. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government had received a communication from the Indian Commercial Pilot Association in May this year alleging lack of proper navigational and communication equipment setc. at airports;

(b) the details thereof; and

(c) how many co-pilots are presently available with the airlines . who are qualified to be trained as Pilots for Command, and the reasons for not selecting them for Command Training so far, though command pilots are much less than the required number?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) Yes, Sir. The letter referred to the increase in the number of airlines operating in the country and indicated that existing navigational and